आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-1 अंक-23, भोपाल, 1 से 15 अक्टूबर 2016 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

पीएमओ ने बताया- हमेशा ड्यूटी पर रहते हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली। सूचना के अधिकार (RTI) की एक अर्जी के जवाब में प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया है कि प्रधानमंत्री मोदी हर वक्त ड्यूटी पर रहते हैं और उन्होंने पदभार संभालने के बाद अभी तक कोई छुट्टी नहीं ली है. पीएमओ ने यह भी बताया कि पूर्व प्रधानमंत्रियों की छुट्टी का कोई रिकॉर्ड उसके पास उपलब्ध नहीं है. आवेदक ने पूर्व प्रधानमंत्रियों के छुट्टी के रिकॉर्ड भी मांगे प्रधानमंत्री कार्यालय और कैबिनेट सचिवालय से एक आरटीआई अर्जी के जरिए देश के प्रधानमंत्री के लिए अवकाश नियमों और कार्यप्रणाली की एक कॉपी मांगे जाने पर पीएमओ ने यह जवाब दिया. पीएमओ ने आरटीआई जवाब में कहा, 'प्रधानमंत्री को हर वक्त ड्यूटी पर मौजूद कहा जा सकता है.'अर्जी देने वाला व्यक्ति यह भी जानना था कि क्या पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी, एच डी देवगौड़ा, इंद्र कुमार गुजराल, पीवी नरसिंह राव, चंद्रशेखर, वीपी सिंह और राजीव गांधी ने कोई छुट्टी ली थी और क्या इस बारे में कोई रिकॉर्ड है?

भारत के 'प्रभाव की काट' के लिए पाकिस्तान इससे बड़े संगठन की संभावना तलाश रहा: रिपोर्ट

इस्लामाबाद। सार्क में भारत के 'प्रभाव की काट' की अपनी मुहिम के तहत पाकिस्तान इसमें चीन, ईरान और आस-पास के पश्चिम एशियाई गणराज्यों को शामिल कर एक वृहद दक्षिण एशिया आर्थिक संगठन के निर्माण की संभावना तलाश रहा है. एक मीडिया रिपोर्ट में बुधवार को इसका खुलासा किया गया. राजनयिक पर्यवेक्षकों का हवाला देते हुए कहा कि आठ सदस्यीय दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) में भारत के 'प्रभुत्व' की काट में पाकिस्तान एक वृहद दक्षिण एशियाई आर्थिक संगठन के निर्माण की दिशा में संभावना तलाश रहा है. रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान से एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने पिछले सप्ताह वाशिंगटन की अपनी पांच दिवसीय यात्रा के दौरान इस विचार को उभारा. फिलहाल यह प्रतिनिधिमंडल न्यूयॉर्क में है. सीनेटर मुशाहिद हुसैन सैयद की मीडिया के साथ हुई बातचीत का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया, 'एक वृहद दक्षिण एशिया पहले ही उभर चुका है.' उन्होंने कहा, 'इस वृहद दक्षिण एशिया में चीन, ईरान और आस-पास के पश्चिम एशियाई गणराज्य शामिल होंगे।

यूपी में अभी हुए चुनाव तो भाजपा बनेगी सबसे बड़ी पार्टी सर्वे

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की राजनीतिक रणभूमि में इस बार कमल खिलता दिख रहा है। संभावना है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में सामने आए और हो सकता है कि इस बार यूपी में भाजपा सरकार भी बना ले। दरअसल एक न्यूज चैनल के सर्वे के मुताबिक उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है तो वहीं बसपा दूसरे नंबर और सपा तीसरे नंबर की पार्टी बनकर सामने आई है। सर्वे के अनुसार भाजपा यूपी के सभी क्षेत्रों में अपेक्षाकृत बहुमत की ओर बढ़ रही है। उसे बसपा और सपा के मुकाबले ज्यादा वोटों का फायदा होता दिख रहा है।

सर्जिकल स्ट्राइक पर रक्षा मंत्री की विपक्ष को दो टूक, कहा- ऑपरेशन का सबसे बड़ा श्रेय पीएम मोदी को

नई दिल्ली। मुंबई की मटीरियल्स इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी के एक कार्यक्रम में पहुंचे रक्षा मंत्री मनोहर परिकर ने सर्जिकल स्ट्राइक पर कहा है कि उन्हें इसका श्रेय किसी के साथ साझा करने में कोई गुरेज नहीं है. उन्होंने कहा कि ये ऑपरेशन किसी राजनीतिक पार्टी ने नहीं किया है, इसका श्रेय हर भारतीय को जाता है उनको भी जिन्हें इस पर शक है. उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी तंज कसा.

हालांकि उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन की सफलता के हकदार मुख्य तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं. उनके निर्णायक रवैये और योजना के जरिए ही ये मुमकिन हो सका है. इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि मेरे क्रेडिट शेयर करने से शायद कई लोगों को सुकून मिल जाए.

गौरतलब हो कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यू ट्यूब पर एक वीडियो अपलोड कर सर्जिकल स्ट्राइक के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को की तारीफ तो की थी, लेकिन इसी वीडियो में केजरीवाल ने सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाते हुए कहा था कि पीएम मोदी को पाकिस्तान के प्रोपेगंडा का जवाब देना चाहिए जिसमें कहा जा रहा है कि कोई सर्जिकल स्ट्राइक हुई ही नहीं है. केजरीवाल के इसी बयान पर बीजेपी ने मोर्चा खोल दिया है. राष्ट्रीय स्तर से लेकर दिल्ली बीजेपी के नेताओं ने केजरीवाल पर आरोपों की बौछार कर दी.

परिकर ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की सीमाएं सुरक्षित हैं. उन्होंने कहा, 'भारत युद्ध पसंद नहीं करता, इससे इकोनॉमी लड़खड़ा जाती है.' परिकर ने पड़ोसी मुल्क का नाम लिए बिना कहा कि शांति की चाह को हमारी कमजोरी न समझें. भारत ने किसी देश पर शासन करना पसंद नहीं किया, यही इसकी महानता है.

रक्षा मंत्री ने कहा, 'सर्जिकल स्ट्राइक का श्रेय मैं नहीं लेता, भारत की 127 करोड़ जनता और सेना इसकी असली हकदार है. सर्जिकल स्ट्राइक में मेरा योगदान बहुत थोड़ा सा है.' साल 2011 में सर्जिकल स्ट्राइक की घटना से जुड़ी खबर पर परिकर ने कहा, 'जहां तक मुझे पता है, पहले कभी सर्जिकल स्ट्राइक नहीं हुई. उन घटनाओं को 'कोवर्ट ऑपरेशन' कहा जाना बेहतर होगा.

कांग्रेस ने कहा- माफी मांगें परिकर

सर्जिकल स्ट्राइक को लेकर रक्षा मंत्री मनोहर परिकर के बयान की कांग्रेस ने आलोचना की है. कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि सेना का

पराक्रम कम करने वाले बयान के लिए रक्षा मंत्री को माफी मांगनी चाहिए. कांग्रेस ने आरोप लगाया कि इस बयान से देश का अपमान हुआ है और इसके लिए उन्हें देश से मांगनी चाहिए।

जम्मू कश्मीर: पंपोर में एनकाउंटर खत्म

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के पंपोर में सुरक्षा बलों और एंटरप्रेन्योर डिवेलपमेंट इंस्टीट्यूट (ईडीआई) इमारत में छुपे आतंकियों के बीच मुठभेड़ खत्म हो गई है. बताया जा रहा है कि सुरक्षा बल इमारत में जा घुसे हैं. दो आतंकी मारे गए हैं. सेना का तलाशी अभियान जारी है. सुरक्षा बलों ने मंगलवार शाम ही एक आतंकी को ढेर कर दिया था. जबकि बिल्डिंग में दो और आतंकियों के छिपे होने की आशंका जताई जा रही थी. फिलहाल पूरे इलाके में सेना का तलाशी अभियान जारी है. जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले थमने का नाम नहीं ले रहे. पंपोर में पिछले तीन दिनों से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी थी. मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर कर दिए गए हैं. बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह सेना ने इलाके में कॉम्बिंग ऑपरेशन शुरू कर दिया था. रात से गोलियां चलने की भी आवाज नहीं सुनी गई. वहीं मंगलवार को शोपियां में आतंकियों ने सीआरपीएफ के काफिले पर आतंकी हमला किया जिसमें एक जवान और 7 अन्य लोग घायल हो गए. फाइनल एसॉल्ट की तैयारी में सेना कश्मीर में विकास की नई इबारत लिखने और उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए बनी एंटरप्रेन्योर डिवेलपमेंट इंस्टीट्यूट (ईडीआई) की पंपोर में स्थित इमारत में घुसे आतंकियों की तलाश के लिए सुरक्षाबलों का ऑपरेशन जारी है. आतंकी पिछले दो दिनों से इस इमारत में घुसे हुए हैं. एक आतंकी मंगलवार शाम मारा गया. बाकी बचे आतंकियों को मारने के के लिए सुरक्षाबल 'फाइनल एसॉल्ट' की तैयारी में है. इस बिल्डिंग से धुआं लगातार उठ रहा है.

सोमवार सुबह शुरू हुई थी मुठभेड़ आतंकी सोमवार की सुबह इस इमारत में घुसने में कामयाब रहे थे. जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर इमारत होने की वजह से हाईवे बंद कर दिया गया और सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया. ईडीआई बिल्डिंग के पास सीआरपीएफ का एक कैम्प है. फायरिंग की आवाज़ सुनते ही सीआरपीएफ अलर्ट हो गई.

भारत ने रूस से कहा- आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाक के साथ सैन्य अभ्यास गलत

नई दिल्ली। रूस के साथ वार्षिक द्विपक्षीय शिखर-सम्मेलन से पहले भारत ने पाकिस्तान के साथ रूस के संयुक्त अभ्यास को लेकर उससे विरोध दर्ज कराया है और कहा है कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संयुक्त अभ्यास से समस्याएं और बढ़ेंगी. मॉस्को में भारत के राजदूत पंकज सरन ने रूसी समाचार एजेंसी रिया नोवोस्ती को दिये साक्षात्कार में कहा, 'हमने रूसी पक्ष को अपने इन विचारों से अवगत करा दिया है कि आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले और राजकीय नीति के तौर पर इसे अपनाने वाले पाकिस्तान के साथ सैन्य सहयोग एक गलत रुख है और इससे केवल और समस्याएं पैदा होंगी.' सरन के बयान आगामी शनिवार को गोवा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन की द्विपक्षीय बैठक से पहले आया है. पुतिन 14 अक्तूबर को भारत पहुंचेंगे. वह द्विपक्षीय बैठक के अलावा 16 अक्तूबर को ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका (ब्रिक्स) के सम्मेलन में शामिल होंगे। पाकिस्तान के साथ रूस के संयुक्त सैन्य अभ्यास को लेकर भारत ने उसके साथ नाराजगी जाहिर की है. हालांकि रूसी अधिकारियों ने इन चिंताओं को तवज्जो नहीं दी है और कहा कि वे क्षेत्र के अन्य देशों के साथ भी इस तरह के सैन्य अभ्यास करते रहे हैं।

क्या राजनीति के पिच पर हिट विकेट हो गए नवजोत सिंह सिद्धू!

नई दिल्ली। कांग्रेस ने औपचारिक रूप से इस बात से इनकार कर दिया है कि उसकी नवजोत सिंह सिद्धू से कोई बातचीत चल रही है. कांग्रेस की पंजाब प्रभारी आशा कुमारी ने एनडीटीवी-इंडिया को बताया कि कांग्रेस पार्टी की सिद्धू से या किसी और से कोई बातचीत नहीं चल रही है, हमने पहले दिन से ये कहा है कि अगर कोई कांग्रेस के संविधान और नेतृत्व को मानते हुए पार्टी में आना चाहता है तो उसका स्वागत है. इससे पहले बुधवार को दिल्ली में आवाज-ए-पंजाब के नेताओं नवजोत सिंह सिद्धू, परगट सिंह और बैंस बंधुओं की दिल्ली में बैठक हुई जिसमें नवजोत सिंह सिद्धू को आगे का विकल्प फाइनल करने के लिए अधिकृत किया गया और संकेत मिले कि आवाज-ए-पंजाब यानी सिद्धू के नेतृत्व वाला मंच कांग्रेस के साथ जा सकता है. आवाज-ए-पंजाब के नेता और पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान परगट सिंह ने एनडीटीवी इंडिया से बात करते हुए कहा कि नवजोत सिद्धू को आगे का फैसला लेने के लिए अधिकृत किया गया है और कांग्रेस में जाने के विकल्प खुले हैं. कांग्रेस की पंजाब प्रभारी आशा कुमारी ने बताया कि हमारी सिद्धू से कोई बात नहीं चल रही लेकिन परगट सिंह जरूर हाल में कांग्रेस नेता कैप्टेन अमरिंदर सिंह से मिलने आये थे, लेकिन इसमें कोई ठोस बात निकलकर नहीं आई.

4.50 करोड़ के कर्ज की वसूली के लिए 170 किसानों को नोटिस

उज्जैन। किसानों ने बैंक से कर्ज तो ले लिया लेकिन वे उसे जमा नहीं करा रहे हैं। जिले के किसानों पर 4.50 करोड़ रुपए का कर्ज चढ़ गया है। तहसीलदार ने इसकी वसूली के लिए 170 किसानों को नोटिस जारी किया है। चेतावनी दी है कि कर्ज की राशि समय पर जमा नहीं कराई तो संपत्ति की वसूली होगी। राशि जमा कराने के लिए तहसील न्यायालय में 13 अक्टूबर को एक शिविर भी लगेगा।

किसानों द्वारा कर्ज लेने के बाद वापस जमा न कराने पर तहसीलदार संजय शर्मा ने 170 विभिन्न किसानों को नोटिस जारी किए हैं। किसानों ने 2 लाख रुपए से लेकर 9 लाख रुपए तक के कर्ज ले रखे हैं। इस तरह कुल 4.50 करोड़ रुपए बकाया हो गए हैं। तहसीलदार ने किसानों को नोटिस जारी कर सख्त चेतावनी दी है कि राशि जमा न कराने पर उनकी संपत्ति कुर्क की जाएगी। रेजुलेशन एजेंट राजेश रामानी द्वारा इस कार्यवाई में सहयोग किया जा रहा है। एक जमीन पर दो जगह से लोन: किसानों ने एक ही जमीन के आधार पर दो जगह से लोन भी ले रखे हैं। ऐसे मामले भी जांच में सामने आ रहे हैं। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) पर 4 प्रतिशत तक की छूट दी जाती है। इस छूट का लाभ लेने के लिए किसानों ने दो-दो बैंक शाखाओं से भी कर्ज ले लिया है। भारतीय स्टेट बैंक व तहसील स्तर पर ऐसे मामलों की जांच की जा रही है। इस जांच में कई गडबड़ियां सामने आ सकती हैं। **नोटिस जारी किए:** किसानों द्वारा कृषि कार्य के लिए 4.50 करोड़ का लोन लिया गया है। इसकी वसूली के लिए 170 किसानों को नोटिस जारी किए हैं। समय पर राशि जमा न कराने वाले किसानों की संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की जाएगी।

चिट फंड कंपनी की संपत्ति कुर्क

उज्जैन। देवास रोड स्थित डिवाइन वेली में चिट फंड कंपनी जीएन डेयरी, जीएन गोल्ड व एनआईआर फाइनेंस कंपनी ने लोगों के साथ धोखाधड़ी कर लाखों रुपए हड़प लिए हैं। प्रशासन ने इस मामले में कंपनी की संपत्ति कुर्क करने की तैयारी कर ली है। संभवत: शुक्रवार को तहसीलदार संजय शर्मा के नेतृत्व में संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की जा सकती है।

महाकाल के खजाने में अब भक्त शेयर भी दान कर सकेंगे

उज्जैन। राजाधिराज भगवान महाकाल के खजाने में अब भक्त शेयर, डिवेंचर तथा प्रतिभूतियां भी दान कर सकेंगे। मंदिर समिति ने बैंक ऑफ इंडिया की महाकाल शाखा में डीमेट खाता खोलने की तैयारी कर ली है। कलेक्टर संकेत भोंडवे के निर्देश पर शुक्रवार को मंदिर प्रशासन ने बैंक को खाता खोलने के लिए आवेदन दिया। एक दो दिन में खाता शुरू होगा।

मध्यप्रदेश धर्मस्व विभाग ने प्रसिद्ध तिरूपति बालाजी मंदिर की तर्ज पर महाकाल मंदिर का भी डीमेट खाता खोलने के निर्देश मंदिर समिति को दिए थे। 13 जून 2016 को समिति को पत्र प्राप्त हुआ था। इसके बाद से ही मंदिर प्रशासन ने खाता खोलने की तैयारी शुरू कर दी थी।

नगर में स्थित विभिन्न् बैंकों की शाखाएं इस खाते को अपने यहां खोलने के लिए कतार में थी। प्रबंध समिति ने मंदिर के समीप स्थित बीओआई की महाकाल शाखा में खाता खोलने का निर्णय लिया। शाखा प्रबंधक आरएस चौहान ने बताया मुंबई की ब्रोकर कंपनी एजकॉन ग्लोबल सर्विस लिमिटेड के सहयोग से डीमेट खाता खोला जाएगा।

देश-विदेश में प्रचार: बैंक ऑफ इंडिया के आंचलिक प्रबंधक अशोक पाठक ने बताया बीओआई की देश-विदेश में करीब 5 हजार शाखाएं हैं। बैंक के डीमेट खाते में अधिक लोग प्रतिभूतियों का दान कर सकें इसलिए इन सभी शाखाओं में इसका प्रचार किया जाएगा।

कलेक्टर बोले-मैं भी किसी मोटरसाइकिल पर घूमता मिल जाऊंगा

उज्जैन। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्यों पर कसावट लाने के लिए कलेक्टर संकेत भोंडवे ने सब इंजीनियरों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। गुरुवार को उन्होंने सब इंजीनियरों से कहा वे निर्माण कार्यों की मॉनीटरिंग के लिए फील्ड में घूमना शुरू कर दें, मैं भी किसी मोटरसाइकिल के पीछे बैठकर घूमता मिल जाऊंगा। कलेक्टर ने पॉलीटेक्निक कॉलेज में गुरुवार को ग्रामीण विकास विभाग की बैठक सह कार्यशाला आयोजित कराई। इसमें उन्होंने सब इंजीनियरों को यह चेतावनी दी है।

दीपावली के पहले और बाद रखी बीडीएस परीक्षा, 19 से होंगे पेपर

इंदौर। बीडीएस फोर्थ ईयर की परीक्षा को लेकर आमने-सामने हुए मेडिकल छात्रों की परेशानी यूनिवर्सिटी ने दूर कर दी है। शुक्रवार को परीक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक में तय हुआ कि बीडीएस के चार पेपर दीपावली के पहले करवाए जाएंगे जबकि शेष दीपावली के बाद। अधिकारियों का तर्क है कि इससे छात्र त्योहार मना सकेंगे।

बीडीएस की परीक्षा को लेकर छात्रों के दो गुट हो गए थे। एक जहां दीपावली के पहले परीक्षा करवाना चाहता था। वहीं दूसरा नवंबर के दूसरे सप्ताह में करवाने के लिए कह रहा था। अधिकारियों ने परीक्षा 19 अक्टूबर से करवाना तय किया। कुछ पेपर 28 अक्टूबर तक करवाए जाएंगे। बाकी 4 नवंबर के बाद होंगे। सोमवार तक परीक्षा शेड्यूल वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। उधर यूनिवर्सिटी प्रशासन ने एमबीबीएस फाइनल प्रोफेसर की परीक्षा 20 अक्टूबर से रखी है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशेष तिवारी ने बताया कि बीडीएस के प्रैक्टिकल नवंबर में रखे हैं। शेड्यूल फैकल्टी डीन को भेजा जाएगा।

उज्जैन के
विज्ञापन एवं समाचार हेतु
सम्पर्क करें: मुकेश शर्मा, 9425093901

आगर के
विज्ञापन एवं समाचार हेतु
सम्पर्क करें: अशोक परिहार, 9826536618

घटना यहां प्रमिला की हालत बिगड़ गई, वह बच्चे को जन्म भी नहीं दे पाई और गुरूवार रात उसने दम तोड़ दिया।

जेब में नहीं थे पैसे, युवक ढाई घंटे तक पत्नी की लाश लिए बैठा रहा

इंदौर। शहर के बड़े अस्पताल में शुक्रवार दोपहर हालात ये रह कि एक युवक रुपयों की कमी के कारण पत्नी की लाश लेकर बैठा रहा। ढाई घंटे तक वह इस कश्मकश में था कि वह लाश घर ले जा सकेगा या नहीं। उसकी आंखों में आंसू और इन नाजुक हालात को देखते हुए लोग आगे आए। उन्होंने एंबुलेंस करवाई और उसे लाश लेकर गांव भेजा। यह कहानी पानसेमल गांव के रहने वाले 25 वर्षीय जयेश की है। उसकी पत्नी प्रमिला गर्भवती थी। मजदूरी करने वाले जयेश के पास इतने रुपए नहीं थे कि वह प्रमिला का इलाज प्राइवेट अस्पताल में करवा पाता। वह कुछ दिन पूर्व प्रमिला को इलाज के लिए एमवाय अस्पताल लेकर आया।

यहां प्रमिला की हालत बिगड़ गई। वह बच्चे को जन्म भी नहीं दे पाई और गुरूवार रात उसने दम तोड़ दिया। जयेश को जब इसकी खबर लगी तो वह टूट गया। वह पत्नी के शव को घर ले जाना चाहता था। अस्पताल प्रबंधन ने उसकी मौत को संदिग्ध मानते हुए पुलिस को सूचना दी।

7 घंटे से लापता बच्ची की नृशंस हत्या

इंदौर। सात घंटे से लापता 10 वर्षीय बच्ची की बुधवार को हत्या हो गई। लाश स्कीम-134 के खाली फ्लैट के बाथरुम में मिली। बालिका के सीधे पैर का पंजा कटा हुआ था। कपड़े से बालिका का गला घोटा गया है। खजराना थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्कीम-134 की आईडीए बिल्डिंग के ए ब्लॉक के फ्लैट नंबर 32 में रहने वाली वैष्णवी पिता संतोष बहोरे(10) दोपहर 12 बजे से गायब थी। पुलिस बच्चे की तलाश में जुटी ही थी। शाम 6 बजे तक उसका पता नहीं चला तो रहवासियों ने बिल्डिंग के चारों ब्लॉक में सर्च अभियान चलाया। शाम 7 बजे सी-ब्लॉक के 323 नंबर प्लेट के बाथरुम में बच्ची रक्त रंजित हालत में पड़ी मिली। उसे लेकर रहवासी बांबे अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डाक्टरों का कहना था कि करीब दो घंटे पहले ही उसकी मौत हो चुकी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया है।

एमवाय पुलिस चौकी ने शव को मरच्यूरी में रखवा दिया। जयेश का कहना है कि पत्नी की तबीयत खराब होने के कारण मौत हुई। पोस्टमार्टम हम नहीं चाहते थे। लेकिन अस्पताल के स्टाफ ने हमे नहीं सुना। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम करवाया। अंतिम संस्कार के लिए पत्नी के शव को गांव ले जाना था। लेकिन रुपयों की कमी के कारण कोई हमें गांव तक ले जाने के लिए राजी नहीं हुआ। प्राइवेट टैक्सी वालों ने मांगे हजारों रुपए, लोगों की मदद से गांव पहुंचे एमवाय अस्पताल की मरच्यूरी में प्राइवेट टैक्सी रहती है। वह शहर और राज्य से बाहर के शवों को ले जाते है। जयेश का कहना है कि जब मैंने उनसे पानसेमल जाने के लिए कहा तो किसी ने 5 तो किसी ने 8 हजार रुपए मांगे जबकि इतने रुपए मेरे पास नहीं थे। सोचा अब कैसे गांव ले जाकर पत्नी का अंतिम संस्कार करूंगा। जब परेशानी अपने परिचितों को बताई तो वह आगे आए। उन्होंने अपने परिचितों को फोन किया।

जिला अस्पताल के रामबहादुर वर्मा टैक्सी लेकर आए। उसके बाद वह हमें गांव तक ले गए। उसके बाद जयेश ने गांव में पत्नी का अंतिम संस्कार किया। इसमें परिजन व गांव के लोग शामिल हुए। गरीब और बेसहारों की मदद करने वाले वर्मा ने बताया कि कलेक्टर द्वारा निर्धारित दर पर ही वह गाड़ी लेकर गांव गए थे। जहां दूसरे लोग 8 हजार मांग रहे थे वह आधीकीमत से भी कम में जयेश को उसकी पत्नी के शव के साथ गांव तक छोड़ आए।

सांठगांठ से चल रहा मनमाने रुपयों का खेल

एमवाय अस्पताल की मरच्यूरी और पुलिस चौकी पर कलेक्टर के आदेश की प्रतिलिपी लगी हुई है। इसमें शव को ले जाने के लिए किलोमीटर के हिसाब से दर निर्धारित की गई है। इसी निर्धारित दर पर लाना-ले जाना किया जाएगा। लेकिन इस लिस्ट के बारे में ना तो पुलिसकर्मी बताते है और ना ही अस्पताल प्रबंधन। बताया जा रहा है कि स्टाफ और पुलिसकर्मियों की सांठगांठ से ही प्राइवेट टैक्सी वाले मनमाने रुपए वसूल रहे है। वह मृतक के परिजन को निर्धारित दरों के बारे में नहीं बताते जिससे वह शव वाहन के संचालक शव को ले जाने के लिए सौदा करते है।

स्थाईकर्मी से कर्मी शब्द को हटाया जाएगा

मुख्यमंत्री श्री चौहान का दैनिक वेतनभोगियों ने माना आभार

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि स्थाई कर्मी से कर्मी शब्द को अन्य उपयुक्त शब्द से प्रतिस्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यह बात मुख्यमंत्री निवास में आए दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के प्रतिनिधि-मंडल से चर्चा में कही। प्रतिनिधि-मंडल दैनिक वेतनभोगियों को नियमित किये जाने के निर्णय के लिए मुख्यमंत्री का आभार ज्ञापित करने आया था। इस अवसर खनिज निगम के अध्यक्ष श्री शिव चौबे, राज्य कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री रमेश चन्द्र शर्मा और भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री श्री के.पी सिंह भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नियमित हुए दैनिक वेतन भोगियों का वरिष्ठता के आधार पर चतुर्थ श्रेणी के उपलब्ध पदों पर समायोजन किया जायेगा। कर्मचारियों को ग्रेजयूटी का लाभ मिलेगा। उन्हें अन्य कर्मचारियों के समान ही मँहगाई भत्ता मिलेगा। प्रतिवर्ष वेतन वृद्धि मिलेगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को नियमित वेतनमान मिलेगा। वरिष्ठता के आधार पर उनका वेतन निर्धारित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार सबसे पीछे और सबके नीचे तबके के कल्याण के लिए संकल्पित है। दैनिक वेतनभोगी व्यवस्था को समाप्त कर कर्मचारियों के मध्य भेदभाव को खत्म किया है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब सबसे अधिक श्रम करने वाले हजारों कर्मचारियों को नौकरी से बाहर कर दिया गया था। कर्मचारियों के विरोध पर यह फैसला वापस तो लिया गया किन्तु कर्मचारियों में भेदभाव की विडम्बनापूर्ण स्थिति बना दी गई थी। प्रदेश सरकार ने इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का आभार ज्ञापित करते हुए दैनिक वेतनभोगी संघ के प्रातांध्यक्ष श्री अशोक पान्डे ने कहा कि सरकार ने दैनिक वेतनभोगियों को नियमित कर 48 हजार परिवारों के कल्याण का ऐतिहासिक कार्य किया है। इस निर्णय से कर्मचारी कार्यालयों में सम्मानपूर्वक कार्य कर सकेंगे।

स्थाई करने पर दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने किया मुख्यमंत्री श्री चौहान का स्वागत

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाई करने के निर्णय से खुश होकर दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों और उनके संगठनों ने यहाँ मंत्रालय में मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

श्री चौहान ने कहा कि दैनिक वेतनभोगी साथी वर्षों से शासकीय सेवा में थे। उनसे काम खूब लिया गया लेकिन भविष्य को अनिश्चित छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि एक समय कई लोग निकाल दिये गये। वर्षों से सरकार के माध्यम से निष्ठापूर्वक जनता की सेवा की। श्री चौहान ने कहा कि नवरात्र के अवसर पर खुशी की बात है कि दैनिक वेतनभोगी अब स्थाई कर्मी होंगे। उन्हें अनेक सुविधाएँ मिलेंगी। जीवन में निश्चितता आयेगी और परिवार सुखी होगा।

राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभयारण्यों में मिलेगा 50 हजार बच्चों को निःशुल्क प्रवेश

वन मंत्री डॉ. शेजवार ने किया वन्य-प्राणी सप्ताह का समापन

भोपाल। प्रकृति सम्पदा से भरपूर मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों में अब बच्चे निःशुल्क प्रवेश करेंगे। वन विभाग ने 'अनुभूति कार्यक्रम' से जुड़े 50 हजार बच्चों को पर्यटन वर्ष 2016-17 से निःशुल्क प्रवेश देने का निर्णय लिया है। वन, योजना, आर्थिकी एवं सांख्यिकी मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार ने यह घोषणा यहाँ वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में वन्य-प्राणी सप्ताह का समापन करते हुए दी। वन मंत्री ने सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया। अपर मुख्य सचिव वन श्री दीपक खाण्डेकर, प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री अनिमेष शुक्ला और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य-प्राणी) श्री जितेन्द्र अग्रवाल भी मौजूद थे।

वंडर ऑफ मध्यप्रदेश मिलेगा 50 हजार का पुरस्कार

वन मंत्री ने 'वाइल्ड लाइफ-वंडर ऑफ मध्यप्रदेश' योजना का भी शुभारंभ किया। इसमें फोटोग्राफर या आमजन वन्य-प्राणी के अपने द्वारा खींचे गये फोटो वन विभाग को प्रस्तुत कर सकते हैं। साल के अंत में विजेता फोटो को 50 हजार और शेष चयनित 9 फोटोग्राफ्स को 5-5 हजार का पुरस्कार दिया जायेगा। वन मंत्री ने हार्डग्राउण्ड बारासिंगा की पुन:स्थापना पर श्री अनिल यादव द्वारा तैयार की गयी फिल्म टर्निंग द क्लॉक की सी.डी. का विमोचन भी किया। राज्य-स्तरीय वन्य-प्राणी पुरस्कार-2016: डॉ. शेजवार ने वन्य-प्राणी संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को तीन वर्ग में पुरस्कृत किया। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के सहायक वन संरक्षक श्री विजय श्रीवास्तव, वन क्षेत्रपाल श्री नवलकिशोर चौहान, उप वन क्षेत्रपाल श्री लक्ष्मीकांत शुक्ला, पन्ना टाइगर रिजर्व के उप वन क्षेत्रपाल श्री अमर सिंह गौड़, एसटीएसएफ भोपाल के श्री चन्द्रशेखर शर्मा, एसटीएफ होशंगाबाद के श्री मुकेश कुमार द्विवेदी को 50 हजार रुपये का नगद पुरस्कार और प्रमाण-पत्र दिया गया। इनके अलावा वन्य-प्राणी चिकित्सक वन विहार डॉ. अतुल गुप्ता, सहायक वन संरक्षक पेंच टाइगर रिजर्व श्री बी.पी. तिवारी, उप वन मण्डलाधिकारी मण्डलेश्वर खण्डवा श्रीमती प्रतिभा अहिरवार, वन क्षेत्रपाल वन विहार श्री संजय पाठक, गेम रेंज अधिकारी पेंच टाइगर रिजर्व श्री मनमोहन सिंह जाटव और रालामण्डल अभयारण्य के सर्वश्री राजाराम कल्याणे, विष्णु प्रसाद कछावा, मुरारीलाल धाकड़, वन मण्डल सीहोर के श्री नागेन्द्र सिंह बैंस, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के श्री नंदकिशोर अहिरवार और श्री हिन्दलाल शर्मा, टीएसएफ होशंगाबाद के डाग हेण्डलर श्री पदम सिंह राजपूत, सिवनी वृत्त के श्री सुगनलाल इनवाती, बालाघाट के श्री धर्मेन्द्र कुमार मोहरे और कूनो पालपुर के श्री मनोज शर्मा को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया।

विकास

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मेट्रो रेल परियोजनाओं में तेजी लाने और आर्थिक रूप से लाभकारी बनाने के दिये निर्देश

भोपाल में 95.03 किलो मीटर में मेट्रो रेल लाइन बिछाई जायेगी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने यहाँ मंत्रालय में भोपाल और इंदौर में संचालित होने वाली मेट्रो रेल परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने परियोजनाओं को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने और आर्थिक रूप से लाभकारी बनाने के निर्देश दिये। परियोजनाओं का संचालन और प्रबंधन मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कंपनी प्रायवेट लिमिटेड करेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान इसके अध्यक्ष होंगे। नगरीय प्रशासन मंत्री, भोपाल और इंदौर के महापौर इसके सदस्य होंगे। कंपनी के प्रशासनिक ढाँचे का अनुमोदन राज्य की केबिनेट द्वारा किया जायेगा।

बैठक में मेट्रो रेल के प्रथम चरणों में शामिल किये जाने वाले रूट और वित्तीय प्रबंधन पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री के सचिव श्री विवेक अग्रवाल ने बताया कि भोपाल मेट्रो रेल परियोजना की कुल लागत 22504.25 करोड़ होगी। इसमें 7 रूट को शामिल किया जायेगा। भोपाल में 95.03 किलो मीटर में मेट्रो रेल लाइन बिछाई जायेगी। इसमें से 84.83 किलो मीटर ऐलिवेटेड होगी। प्रथम चरण में दो रूट होंगे - करोंद से एम्स तक 14.99 किलो मीटर और भदभदा से रत्नागिरी तक 12.88 किलो मीटर शामिल किया जायेगा। प्रथम चरण की लागत 6962 करोड़ रूपये होगी। परियोजना के लिये अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी जापान और एशियाई विकास बैंक से वित्तीय सहायता लेने के विकल्पों पर विचार-विमर्श हुआ। इंदौर मेट्रो रेल 104 किलो मीटर में चलेगी। इस पर 26762.21 करोड़ की लागत आयेगी। पहले चरण में पलासिया-एयरपोर्ट-विजयनगर-भवरकुंआ-पलासिया रूट पर काम शुरू होगा। इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के नक्शे में किसी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से सहयोग के लिये सभी विकल्प पर विचार किया जायेगा। नवगठित मेट्रो रेल कंपनी के संचालक मंडल की बैठक में प्रशासनिक एवं प्रबंधन संबंधी प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। बैठक में मेयर भोपाल श्री आलोक शर्मा, इंदौर मेयर श्रीमती मालिनी गौड़, मुख्य सचिव श्री अंटोनी डि सा, मुख्यमंत्री प्रमुख सचिव श्री अशोक वर्णवाल एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

स्वच्छता के क्षेत्र में काम करने वालों का उत्साह बढ़ायें

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि स्वच्छता के क्षेत्र में काम करने वालों का उत्साह बड़ाये। स्वच्छता को मानसिकता बनायें। संकल्प लें कि अपने शहर, अपने मोहल्ले - कॉलोनी को स्वच्छ और सुंदर बनायेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान नगर निगम द्वारा स्वच्छता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नगर निगम द्वारा दस नम्बर मार्केट में महिला जन-सुविधा शी-लाउंज का लोकार्पण कर आठ स्वच्छता रथ और दो सीएनडी वेस्ट वाहन को हरी झंडी दिखायी। मुख्यमंत्री ने 45 जन सुविधा केन्द्र और 50 सामुदायिक सुविधा केन्द्र का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पूरे भारत के शहरों में स्वच्छता की स्पर्धा चल रही है। स्वच्छ और स्वस्थ शहर के लिये मानसिकता बदलनी होगी। जहाँ स्वच्छता है वहाँ स्वास्थ्य और समृद्धि होती है। इंदौर और हरदा जिले खुले में शौचमुक्त बन चुके हैं। अब भोपाल को खुले में शौच मुक्त बनाने के लिये अभियान चलायें। रहवासी संघों में स्वच्छता की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक स्वच्छ वार्ड को मुख्यमंत्री अधोसंरचना से विकास के लिये अतिरिक्त राशि दी जायेगी। स्वच्छता और समृद्धि का गहरा संबंध है। गरीबों के लिये गरीब कल्याण एजेन्डा घोषित किया जायेगा। अगले दो वर्ष में गरीबों के लिये शहरी क्षेत्र में 5 लाख और ग्रामीण क्षेत्र में 10 लाख मकान बनाये जायेंगे। वर्ष 2022 तक प्रदेश के हर गरीब के पास अपना मकान होगा। गरीबों के लिये मानवीयता के दृष्टिकोण से कार्य करें। शहर के नालों को गहरा करने की योजना बनायें। श्री चौहान ने कार्यक्रम में स्वच्छता का संकल्प दिलाया तथा स्वच्छता की शपथ पर हस्ताक्षर किये। महापौर श्री आलोक शर्मा ने बताया कि भोपाल के 18 वार्ड खुले में शौचमुक्त हो गये हैं। आगामी दिसम्बर तक सभी वार्ड को खुले में शौचमुक्त किया जायेगा। शहर के अन्य बाजारों में भी शी-लाउंज बनाये जायेंगे। शहर के सभी वार्डों में से स्वच्छता की दृष्टि से श्रेष्ठ वार्डों तथा परिसरों को पुरस्कृत किया जायेगा। स्वच्छता के लिये श्रेष्ठ वार्डों को 21 लाख रूपये का प्रथम, 11 लाख का द्वितीय तथा 5 लाख रूपये का तृतीय पुरस्कार दिया जायेगा। इसी तरह श्रेष्ठ परिसरों को एक लाख रूपये का प्रथम, 51 हजार रूपये का द्वितीय तथा 21 हजार का तृतीय पुरस्कार दिया जायेगा। कार्यक्रम को सांसद श्री आलोक संजर और विधायक श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वच्छता के लिये बेहतर कार्य करने वाली दो संस्था आई-क्लीन तथा सकारात्मक सोच संगठन का सम्मान किया। उन्होंने डॉक्टर आपके द्वार टूल किट का विमोचन तथा कन्या-पूजन भी किया। कार्यक्रम में एसएल ग्रुप और नगर निगम के बीच वेस्ट मेनेजमेंट के लिये एमओयू हुआ। भोपाल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री ओम यादव, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष श्री मोहम्मद सगीर, महापौर परिषद के सदस्य, पार्षद, रहवासी संघों, महिला संघ और व्यापारी संघ के प्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित थे। आभार नगर निगम सभापति डॉ. सुरजीत सिंह चौहान ने माना।

सम्पादकीय

अजजा को संवैधानिक संरक्षण के साथ शैक्षणिक उत्थान के प्रयास जारी

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित-जाति के लोगों को संवैधानिक संरक्षण देने के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उन्हें सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्तर पर सशक्त बनाने की कोशिशें जारी है। सरकार द्वारा अधोसंरचना विकास के काम को गति देने, सर्वांगीण विकास की योजनाओं के क्रियान्वयन और मॉनीटरिंग का काम भी किया जा रहा हैं। अनुसूचित-जाति वर्ग के युवाओं को रोजगार देने के अवसर उपलब्ध करवाये जा रहे हैं।

आदिवासी विकास विभाग प्रदेश के 89 आदिवासी विकासखंड में प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय-स्तर तक की शिक्षा का संचालन कर रहा हैं। इन संस्थाओं में कन्या शिक्षा परिसर, क्रीड़ा परिसर, आवासीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय, आश्रम शालाएँ, प्री-मेट्रिक एवं पोस्ट-मेट्रिक छात्रावास तथा अंग्रेजी माध्यम की नई आश्रम शालाओं आदि का संचालन कर शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने का प्रयास निरन्तर जारी है।

विशेष पिछड़ी जन-जातियों के लिये संरक्षण-सह-विकास योजना संचालित हैं। इसमें उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास, कृषि विकास तथा प्रशिक्षण एवं रोजगार की योजनाओं को प्राथमिकता से लिया गया हैं। बारहवीं पंचवर्षीय योजना वर्ष 2012-17 में विशेष रूप से राच्य शासन की नीति है कि आदिवासी वर्ग के विद्यार्थियों की शिक्षा में गुणात्मक सुधार किया जाये, ताकि वे अन्य वर्ग के विद्यार्थियों के साथ प्रतिस्पर्धा में बराबरी कर सकें।

बीते वर्ष की उपलब्धियाँ: अनुसूचित जनजाति वर्ग के शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक उत्थान के लिए विभाग द्वारा आदिवासी बहुल जिलों के आदिवासी विकासखण्डों में गुणवत्तायुक्त शिक्षा, कल्याण कार्यक्रम, सामुदायिक विकास, प्रशिक्षण एवं रोजगार की योजनाएँ शुरू की गयी हैं। इस वर्ग के बेरोजगार युवाओं को रोजगार/स्व-रोजगार के लिए योग्य बनाने के लिये विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षण देकर स्वावलम्बी बनाया जा रहा है। पिछले वित्त में 5,567 युवाओं को कौशल विकास योजना में लाभान्वित किया गया हैं। अनुसूचित-जनजाति एवं अनुसूचित-जाति के विकास के लिये उनकी आबादी के मान से अधिक राशि राच्य आयोजना में प्रावधानित की जा रही हैं। वर्ष 2002-03 में 818 करोड़ 83 लाख की राशि आदिवासी उपयोजना में प्रावधानित की गई थी। वर्ष 2015-16 में यह राशि बढ़कर 8416 करोड़ 78 लाख हो गई हैं। इस प्रकार दस गुना से अधिक वृद्धि आदिवासी उपयोजना मद में की गई हैं।

पिछले वित्त वर्ष में 20 नये प्री-मेट्रिक छात्रावासों को स्वीकृति दी गई हैं। विभागीय छात्रावासों एवं आश्रमों में निवासरत विद्यार्थियों की शिष्यवृत्ति की दरों को मूल्य सूचकांक से जोड़कर एक जुलाई 2015 से शिष्यवृत्ति की दरों में वृद्वि की गई है। बालकों के लिये 1000 एवं बालिकाओं के लिए 1040 रूपये शिष्यवृत्ति दी जा रही है। विभागीय 23 क्रीड़ा परिसरों में खिलाड़ी विद्यार्थियों के लिए शिष्यवृत्ति 100 रूपये प्रति दिवस प्रति खिलाड़ी निर्धारित की गई हैं। पिछले एक वर्ष में विभाग द्वारा 26 माध्यमिक शालाओं का हाई स्कूल में उन्नयन किया गया। महिला न्यून साक्षरता प्रतिशत वाले जिलों में विभाग द्वारा 20 नये कन्या शिक्षा परिसर स्वीकृत किए गए हैं। इन परिसर में 245 बालिकाएँ कक्षा 6 से 12वीं तक शिक्षा और आवासीय सुविधा पूरी तरह से शासकीय व्यय पर प्राप्त करेंगी। विभाग द्वारा शिक्षा विभाग के माध्यम से कक्षा 1 से 12वीं तक के 28 लाख 35 हजार से ज्यादा विद्यार्थियों को विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ दिया गया है। विभाग द्वारा बालिकाओं को शिक्षा निरंतर रखने के लिए 10वीं उत्तीर्ण कर 11वीं में प्रवेश लेने पर प्रोत्साहन राशि एक किश्त में 15 अगस्त तक दी जा रही है। कक्षा 11वीं में 33 हजार बालिका को प्रोत्साहन राशि दी गई।

विशेष पिछड़ी जन-जाति के सभी आवासहीन परिवार को आवास उपलब्ध करवाए जाने की योजना क्रियान्वित की जा रही है। अनुसूचित-जनजाति की बस्तियों के विकास के लिए सड़क निर्माण, नाली निर्माण, पेयजल सुविधा, विद्युतीकरण तथा सामुदायिक भवनों के निर्माण किये गये हैं। विभाग द्वारा 30 छात्रावास भवन प्रति छात्रावास 127 लाख कुल राशि रूपये 4064 लाख, 20 आश्रम शाला भवन इकाई लागत रूपये 135 लाख कुल 2700 लाख, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन इकाई लागत 143 लाख कुल 5720 लाख और 6 क्रीड़ा परिसर के लिये कुल लागत राशि रूपये 6996 लाख की स्वीकृति दी गई। विविध जन-जातीय सम्मान श्रंखला में जन-जातियों के सामाजिक उत्थान में विशिष्ट काम करने वाले नागरिकों को विष्णु कुमार जन-जातीय समाज-सेवा सम्मान वर्ष 2011 में सर्वप्रथम दिया गया। इसके अतिरिक्त रानी दुर्गावती, वीर शाह-रघुनाथ शाह, ठक्कर बापा राष्ट्रीय सम्मान एवं जन-नायक टंट्या भील राष्ट्र-स्तरीय सम्मान स्थापित किये गये हैं। चीफ मिनिस्टर कम्यूनिटी लीडरशीप डेवलमेंट कार्यक्रम: भारत सरकार, जन-जातीय कार्य मंत्रालय द्वारा विशेष केन्द्रीय सहायता में चीफ मिनिस्टर कम्युनिटी लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम की स्वीकृति दी गई है। योजनाओं में प्रदेश के सभी आदिवासी विकासखंड में निवासरत 18 से 45 वर्ष के 12वीं उत्तीर्ण व्यक्तियों, जिनमें 50 प्रतिशत महिलाएँ होंगी, को समाज में सक्रिय भागीदारी का प्रशिक्षण दिया जाना है।

- पराग वराडपांडे

जलवायु परिवर्तन को समझाने मध्यप्रदेश ने चलाया चेतना कार्यक्रम

जलवायु परिवर्तन किसी देश विशेष नहीं, पूरे विश्व की चिंता का विषय बन गया है। जन-सामान्य मुख्यत: बच्चों को जलवायु परिवर्तन, दुष्परिणाम, बचाव के उपाय आदि से अवगत करवाने के लिये मध्यप्रदेश के एप्को ने जलवायु परिवर्तन चेतना कार्यक्रम के माध्यम से एक सार्थक पहल की है। इस पहल के जरिये राज्य के 500 विद्यालय के शिक्षकों को जलवायु परिवर्तन लीडर के तौर पर प्रशिक्षित कर बच्चों के लिये सामग्री और कार्यक्रम दिया जा रहा है। आइये हम भी जानें यह जलवायु परिवर्तन है क्या?

जलवायु परिवर्तन: वैश्विक स्तर पर जलवायु में होने वाले परिवर्तन को जलवायु परिवर्तन के रूप में जाना जाता है। इसका मुख्य कारण सामान्यत: ग्लोबल वार्मिंग को माना जाता है। बड़ी और भीषण मौसम की घटनाएँ- बढ़ता तापमान, ज्यादा तूफान, कम समय अंतराल के लिये भारी वर्षा, ज्यादा सूखा, वर्षा रितु का घटना, लम्बा शुष्क मौसम आदि परिवर्तन देखे जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग ग्रीन हाउस गैसों से जुड़ा हुआ है।

ग्रीन हाउस गैसें: वायु मण्डल में ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा एक प्रतिशत होती है, जो बेहद अनुकूल है। इसमें उपयोगी जल वाष्प, कार्बन डाईऑक्साइड, नाइट्रस आक्साइड, मीथेन तथा ओजोन प्राकृतिक ग्रीन हाउस प्रभाव बनाते हैं। अन्य मुख्य गैसें हैं- क्लोरो फ्लोरोकार्बन (CFC), हाइड्रो फ्लोरोकॉर्बन (HFCz) गैसें, परफ्लोरोकॉर्बन (PFCz) और सल्फर हेक्साफ्लुओराइड (SF)। मानवीय गतिविधियों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को काफी बड़ा दिया है, जिससे ग्रीन हाउस प्रभाव में वृद्धि हो रही है।

ग्रीन हाउस प्रभाव: ट्रोपोस्फीयर से ग्रीन हाउस गैसें सूर्य की किरणों को पार तो जाने देती हैं पर उसकी ऊष्मा को ग्रीन हाउस के पैन के समान रोक लेती हैं। यह अवशोषित ऊष्मा विकिरण द्वारा वापस पृथ्वी की सतह पर चली जाती है और ट्रोपोस्फीयर को और गरम बनाती है। एक ग्रीन हाउस शीशे या प्लास्टिक का बना होता है। इनसे होकर गुजरने वाली सूर्य की किरणें ग्रीन हाउस से निकल नहीं पाती हैं, जिससे ग्रीन हाउस के अंदर का तापमान बड़ जाता है।

ग्लोबल वार्मिंग: वैश्विक स्तर पर ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा के बढ़ने के कारण पृथ्वी के तापमान में होने वाली वृद्धि को ग्लोबल वार्मिंग के नाम से जाना जाता है। ग्लोबल वार्मिंग या वैश्विक तापमान के बढ़ने के कारण मौसम और जलवायु में भी परिवर्तन यह दर्शाता है कि तापमान बढ़ने के अलावा भी कई अन्य परिवर्तन हो रहे हैं।

ग्रीन हाउस गैसों का स्त्रोत: कार्बन डाईऑक्साइड (Cow) कोयले, तेल तथा प्राकृतिक गैस, जैव पदार्थ को जलाने तथा निर्वनीकरण के कारण उत्सर्जित होती है। मीथेन (CHy), प्राकृतिक गैस के रिसाव तथा धान के खेतों, प्राकृतिक जल-भूमि क्षेत्रों, भू-भराव क्षेत्रों, दीमक, मवेशियों, भेड़ तथा की आँतों से और कार्बनिक तत्वों के सड़ने से निकलती है। नायलॉन उत्पादन के दौरान जैव-पदार्थ और जीवाश्म ईंधन जैसे कोयला को जलाने पर नाइट्रस ऑक्साइड (NwO) निकलती है।

ग्रीन हाउस गैसों में वृद्धि: औद्योगीकरण से पहले के समय की तुलना में वायु मण्डल में COw, CHy तथा NwO की मात्रा 142 प्रतिशत, 253 प्रतिशत तथा 121 प्रतिशत तक बढ़ गयी है। वर्ष 1750 की तुलना में COw की मात्रा 280 पार्ट्स पर मिलियन की मात्रा से बढ़कर वर्ष 2010 में 300 पी.पी.एम. हो गयी। इसी दौरान मीथेन की मात्रा 700 पी.पी.बी. से बढ़कर 1106 पी.पी.बी. हो गयी है। इसी समय में NwO की मात्रा 269 पी.पी.बी. से बढ़कर 223.2 पी.पी.बी. हो गयी। बड़ती गर्मी: वर्ष 1880 से 2012 के बीच औसतन वैश्विक तापमान 0.85 डिग्री सेल्सियस तक बड़ा है। इसे इस प्रकार समझा जा सकता है कि प्रत्येक 1 डिग्री तापमान के बढ़ने से अनाज के उत्पादन में 5 प्रतिशत की कमी आ सकती है।

करवा चौथ : व्रत में रखें खान-पान का ध्यान

हर्षा भटनागर
(रजिस्टर्ड डायटीशियन)

कार्तिक माह कृष्ण पक्ष की चर्तुथी को करवा चौथ का व्रत किया जाता है। इस दिन विवाहित महिलायें अपनी पति की लम्बी आयु के लिए निर्जला व्रत रखती है। करवा चौथ के व्रत का पूर्ण विवरण वामन पुरान में किया गया है। करवा चौथ 2016: इस वर्ष का करवा चौथ 19 अक्टूबर को रखा जायेगा । साल 2018 में करवा चौथ के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त: शाम 5 बजकर 43 मिनिट से लेकर 06 बजकर 59 मिनिट तक करवा चौथ के दिन चंद्रोदय: रात 8:51 बजे।

सरगी में अच्छा और पौष्टिक खाना जितना जरूरी है उतना ही जरूरी होता है चांद देखकर पूजा करके वृत को पौष्टिक आहार के साथ खोलना चाहिए। आइये हम इसे विस्तार से समझे।

1. भोजन करते वक्त ये ध्यान हलका भोजन ले, जैसे- पुड़ी की स्थान पर रोटी का सेवन सही रहेगा क्योंकि इतने लम्बे अंतराल के बाद भारी खाना पाचाने में शरीर को अत्याधिक मेहनत करनी पडेंगी इसलिए, घी, तेल, मलाई, मक्खन से बनी चीजों का सेवन करने से बचे।

2. सब्जियों का सेवन करें जैसे लोकी की सब्जी, कम मसाले की भरवा सब्जी जैसे- भरवा भिंडी, बैगन, लोकी के कोफते, पानीर कोफते आदि को शामिल कर सकते हैं। मगर ध्यान रखें कि ग्रेवी में अत्याधिक मेवे, घी, तेल आदि न डाले। प्याज, टमाटर, लहसून व अदरक का पेस्ट बना के ही डाले।

3. हल्की दालों का समावेश करें जैसे- मूंग, लाल मसूर आदि को कम घी या तेल डालकर तड़का दे। अरहर, राजमा, छोले आदि को रात के समय अपने आहार में शामिल न करें ।

4. दही से बनी चीजों को जरूर शामिल करें जैसे फ्रूट रायता, बूंदी रायता, वेजिटेबल रायता, प्लेन दही या मठे के रूप में ले शरीर को दूध पाचना में ज्यादा मेहनत होती है इसलिए दूध से बने खाद्य पदार्थों की बजाय दही से बने खाद्य पदार्थों को अवश्य शामिल करें।

5. चावल, पनीर, सेवई की खीर बनाने की बजाय दलिया, मोरधन, लोकी, रवा, गाजर की खीर को खाने में शामिल करें।

6. खाने में ताजी बनाई हुई चटनी का ही सेवन करें, धनियां, मिर्ची, लहसून, अदरक व टमाटर की चटनी का सेवन किया जा सकता है ।

7. चावन के बजाय दलिया व ब्राउन राईस का सेवन करें व फ्राईड की जगह स्टीम राईस को खाने में शामिल करें।

होने वाले पति से हर लड़की पूछना चाहती है ये सवाल पर पूछ नहीं पाती

शादी का बंधन बहुत खास होता है. चाहे वो लड़की हो या फिर लड़का, दोनों के ही लिए ये जिंदगी की एक नई शुरुआत होती है. ऐसे में ये बहुत जरूरी है कि आपको उस शख्स के बारे में सबकुछ पता हो जिसके साथ आप अपनी बाकी जिंदगी बिताने वाले हैं. लव-मैरिज में तो फिर भी इस बात की गुंजाइश होती है लेकिन अरेंज मैरिज में लड़के और लड़की को एक-दूसरे के बारे में जानने का पूरा मौका नहीं मिल पाता.

ऐसी स्थिति में लड़के और लड़की दोनों को ही कुछ अहम सवालों के जवाब नहीं मिल पाते हैं. ये कुछ ऐसे ही सवाल हैं जो शादी से पहले हर लड़की पूछना तो चाहती है लेकिन अरेंज मैरिज होने की वजह से पूछ नहीं पाती है:

1. क्या तुम्हारी कोई गर्लफ्रेंड थी? क्या तुम दोनों के बीच कुछ हुआ भी था?
2. वन नाइट स्टैंड के बारे में तुम क्या सोचते हो?
3. क्या तुम्हें मेरे कपड़े पसंद नहीं? क्या शादी के बाद तुम्हें मेरा छोटी ड्रेसेज पहनना पसंद नहीं आएगा?
4. शादी के बाद क्या तुम कभी-कभी खाना बनाओगे? या तुम ये मानकर बैठे हो कि मैं ही दोनों टाइम खाना बनाउंगी?
5. मैं कभी भी काम करना नहीं छोड़ूंगी और बाद में तुम मुझे इसके लिए मजबूर नहीं करोगे.
6. तुम इतने अच्छे हो फिर भी अब तक सिंगल कैसे हो?
7. क्या तुम भगवान को मानते हो?
8. क्या तुम अब भी अपनी एक्स को प्यार करते हो?
9. क्या तुम ये शादी अपनी मर्जी से कर रहे हो या फिर घरवालों के कहने पर?

अगर आपके पति भी देर से आते हैं घर, तो आजमाएं ये टिप्स

1. सही कारण पता होना है जरूरी

अगर आपका पार्टनर रोज देर से आता है तो उससे चीखकर बात करने के बजाय धीरज रखें. उन्हें चेंज करने दें और जब वो रीलैक्स नजर आएं तो उनसे उनके रोजाना देर से आने का कारण पूछें. सही कारण पता चल जाने पर आप भी चैन की सांस ले पाएंगी. अगर वो कहें कि कुछ ही दिनों की बात है क्योंकि ऑफिस में काम बढ़ गया है तो, ये आपकी जिम्मेदारी है कि आप थोड़ा प्रैक्टिकल बनें.

2. अपनी बात को सही तरीके से रखें

अपनी बात को सही तरीके से रखना आना एक बहुत बड़ी कला है. कई बार हम सही सवाल भी ऐसे अंदाज में पूछ बैठते हैं जिससे सामने वाले को बुरा लग जाता है. ऐसे में अपनी बात को और अपने सवालों को सही तरीके से रखें. अगर आपके पति दोस्तों के चक्कर में देर से आते हैं तो उन्हें समझाएं कि ये अच्छी आदत नहीं है. इसका असर सेहत पर तो पड़ेगा ही साथ ही बच्चों के विकास पर भी होगा.

3. घर की भी हैं जिम्मेदारियां

अगर आपके पार्टनर रोज लेट आते हैं तो उन्हें उनकी घरेलू जिम्मेदारियों के बारे में बताएं. घर की जिम्मेदारियां आप दोनों की हैं. कोई एक इस जिम्मेदारी को अकेले उठाए ये सही नहीं है.

4. सबक सिखाना भी जरूरी

अगर आपके बार-बार कहने के बावजूद या फिर समझाने के बाद भी आपका पार्टनर अपनी इस आदत को छोड़ नहीं रहा है तो उसे सबक सिखाना जरूरी है. सबक सिखाने के लिए आप कौन सा तरीका आजमाएंगी, ये तो आप पर ही निर्भर करता है.

पति की वफादारी को इन 5 बातों से परखें...

शादी एक ऐसा रिश्ता होता है जिसमें भरोसा ही रिश्ते की मजबूती को तय करता है जैसे- एक बच्चा सबसे ज्यादा मां पापा पर विश्वास करता है और उसी तरह शादी के बाद पार्टनर के साथ ये रिश्ता बनता है. अगर इस रिश्ते में पति-पत्नी दोनों में से कोई एक भी बेवफा हो जाए तो जिंदगी तबाह हो जाती है. पति तो पत्नी की जरा सी भी रूसवाई को बर्दाशत नहीं कर पाते और दूसरी तरफ पत्नियां ऐसी चीजों को पति से पूछने के बजाय अंदर ही अंदर घुटती रहती हैं.

अगर कभी भी ऐसी स्थिति आए तो आप बिना पूछे अपने पति के व्यवहार को देखकर भी इस बात का पता लगा सकती हैं... 1. सबसे पहले अपने पति के पुराने मामले जान लें कि कहीं उन्होंने किसी को धोखा तो नहीं दिया. अगर ऐसा हो तो वो भरोसे के लायक नहीं हैं क्योंकि फ्लर्ट करने और चीट करने वाले लोग अक्सर इस आदत को बदल नहीं पाते हैं.

2. माना जाता है जो इंसान दिल का साफ होता है वह हमेशा आंख से आंख मिलाकर बात करता है. अगर आपके पति, आंखें मिलाकर पूरी सहजता से बात करते हैं तो इसका मतलब वह पूरी तरह लॉयल हैं.

3. आपके पति के फ्रेंड सर्किल में सभी आपको जानते हैं और अक्सर आपके पति दोस्तों की पार्टी या फिर घर में होने वाले गेट टू गेदर में आपको लेकर जाते हैं. इसका मतलब है कि वह अपने दोस्तों को अपनी पार्टनर से मिलवाने में खुशी महसूस करते हैं.

4. आपके पति अपनी सारी बातें आपसे शेयर करते हैं और ऐसा कोई भी टॉपिक नहीं है जिस पर आप दोनों बात नहीं करते. अगर ऐसा है तो इसका मतलब आपके पति वफादार हैं और उन्हें आपसे बात करना अच्छा लगता है.

एक दृष्टि बाधित शख्स ऐसा भी, आज है गूगल में लॉयर...

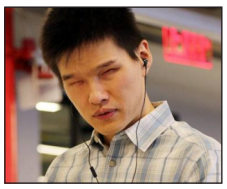

हमारी दुनिया में वैसे तो न जाने कितनी दिक्कतें और परेशानियां हैं। सभी लोग अपनी-अपनी परेशानियों को लेकर हलकान हैं, लेकिन इन सभी के बीच कुछ ऐसे भी लोग हैं जिन्हें देख कर लगता है जैसे हमारी सारी परेशानियां उनके सामने कुछ भी नहीं हैं। उन्हें देखते ही एक पॉजिटिव फीलिंग सी आती है।

16 साल में ही गंवा दी दृष्टि...

जैक चेन अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में रहते हैं। वे किशोरावस्था (16 साल) में ही दृष्टिहीन हो गए। हालांकि उनका ऑपरेशन भी हुआ लेकिन उन्हें ठीक करने की कोशिश नाकाम रही। वे फिर भी हार नहीं माने।

पढ़ाई जारी रखी...

जैक इस बात को बखूबी समझते थे कि पढ़ाई-लिखाई से एक शख्स की जिंदगी किस तरह बदल सकती है। उन्होंने दुनिया के बहुप्रतिष्ठित हावर्ड और बर्कले यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस की डिग्री ली।

गूगल के साथ कर रहे हैं काम...

वे आज दुनिया की सबसे अच्छी कंपनी के तौर पर शुमार की जाने वाली गूगल कंपनी में असोसिएट पेटेंट काउंसल के तौर पर काम करते हैं। गौरतलब है कि यहां काम करने के दौरान उन्हें हाइपरएक्टिव रहना पड़ता है। वे हर मिनट लगभग 620 मिनटों को सुनते हैं और उस हिसाब से प्रतिक्रिया देते हैं।

सुपरमैन भी खा जाए मात...

अब जो आप सोच रहे होंगे कि यह बात मैं किसलिए कह रहा हूं तो मैं आपको बताता चलूं कि जैक अब तक पांच ट्राइएथलॉन पूरा कर चुके हैं। दो आयरनमैन कंपटीशन का हिस्सा रह चुके हैं। इसके अलावा वे दुनिया की सबसी दुर्गम चढ़ाईयों में शामिल माउंट किलिमंजारो को भी पतह कर चुके हैं।

और हमें लगता रहा है कि हमारी छोटी-मोटी समस्याएं ही सबसे भयावह और मुश्किल हैं...

ग्रेजुएशन के बाद जॉब पाने के लिए जरूरी 3 बातें

अगर आपने ग्रेजुएशन कर लिया है और जॉब करने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। यह समय कुछ ऐसा होता है जहां आपको काफी सोच-समझकर फैसला लेना होता है। अगर आप चाहते हैं कि आपको अच्छी सैलरी वाली नौकरी के साथ-साथ जॉब सेटिस्फेक्शन भी मिले तो इन बातों पर ग्रेजुएशन के बाद ध्यान दें:

1. अपना होमवर्क करते रहें: ज्यादातर स्टूडेंट्स जो ग्रेजुएशन के बाद जॉब सर्च करते हैं, वे घर पर बैठकर होम वर्क करना भूल जाते हैं। यहां होम वर्क का मतलब कॉलेज के उस टास्क से नहीं है, जिसे घर पर बैठकर पूरा करना होता है। यहां होमवर्क का मतलब कंपनियों से जुड़ी रिसर्च से है। आप कंपनियों के प्रोडक्ट, कर्मचारियों और फाइनांशियल बैकग्राउंड के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। आप जिस कंपनी में काम करना चाहते हैं, उसके बारे में यह जानना जरूरी है कि उसके प्रतिस्पर्धी कौन हैं? कंपनी को आप किस तरह लाभ पहुंचा सकते हैं? ये कुछ बुनियादी बातें हैं जिससे जुड़े हुए सवाल आपसे इंटरव्यू में कंपनियां पूछ सकती हैं। ऐसे सवालों के लिए होमवर्क करना जरूरी है।

2. काम के मूल्यों को परखना है जरूरी: यह जमाना मल्टी टैलेंटेड लोगों का है। कॉलेज में अगर आपने एक साथ अकेडमिक्स, स्पोर्ट्स, पार्ट टाइम वर्क और कई तरह के दूसरे एक्टिविटी में हिस्सा लिया है तो उसे अपने जॉब से जोड़ें और देखें कि यहां भी आप कई तरह के काम कर सकते हैं या नहीं। अपने काम की जांच करते हुए देखें कि अगर कंपनी आप पर विश्वास करके कुछ चुनौती भरे काम देती है तो आप उसे कैसे करेंगे? अपने बारे में यह जानना जरूरी है कि आप कितने मेहनती हैं।

3. विपरीत परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार रखें: सभी को यह याद रखना चाहिए कि सफलता पाने के एक नहीं, कई तरीके होते हैं। जहां आपको लगे कि सारे दरवाजे आपके लिए बंद हो गए हैं, हो सकता है कि वहीं से एक नया दरवाजा आपके लिए खुले। इसलिए खुद को विपरीत परिस्थितियों के लिए तैयार रखना जरूरी है।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में बनाये केरियर

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग का क्षेत्र इंजीनियरिंग शिक्षा का सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र माना जाता है। इसमें करियर निर्माण की बहुत ही उजली संभावनाएं हैं। इसके तहत नागरिक उड्डयन, स्पेस रिसर्च, डिफेंस टेक्नोलॉजी आदि के क्षेत्र में नई तकनीकों का विकास किया जाता है। यह क्षेत्र डिजाइनिंग, निर्माण, विकास, परीक्षण, ऑपरेशंस तथा कमर्शियल व मिलिट्री एयरक्राफ्ट के पुर्जों के साथ-साथ अंतरिक्ष यानों, उपग्रहों और मिसाइलों के विकास से भी संबंधति है।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग ने विश्व का परिदृश्य ही बदल दिया है। यह ऐसा क्षेत्र है, जिसमें नई व आकर्षक संभावनाओं की कोई सीमा नहीं है। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग के तहत डिजाइनिंग, नेविगेशनल गाइडेंस एंड कंट्रोल सिस्टम, इंस्ट्रूमेंटेशन व कम्युनिकेशन अथवा प्रोडक्शन मैथड के साथ ही साथ वायुसेना के विमान, यात्री विमान, हेलिकॉप्टर और रॉकेट से जुड़े कार्य शामिल हैं।

क्या है काम? एयरोनॉटिकल इंजीनियर के प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं: यात्री विमान के यंत्रों, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का रखरखाव एवं प्रबंधन, विमान संबंधी रेडियो और रडार का संचालन, उड़ने से पहले विमान की हर कोण से जांच, विमान में ईंधन की रीफिलिंग, विमान बनाने वाली कंपनियों में विमान संबंधी यंत्रों तथा उपकरणों की डिजाइनिंग तथा डेवलपमेंट आदि।

कौन-से कोर्स? इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आपके पास एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में बीई तथा बीटेक की ग्रेजुएट डिग्री अथवा कम से कम एयरोनॉटिक्स में तीन वर्षीय डिप्लोमा होना चाहिए। इस क्षेत्र में आईआईटी के अलावा कुछ इंजीनियरिंग कॉलेजों में डिग्री तथा पोस्ट डिग्री पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग का डिप्लोमा पाठ्यक्रम कुछ पॉलीटेक्निक कॉलेजों में भी उपलब्ध है। बीई तथा बीटेक पाठ्यक्रम के लिए 12वीं परीक्षा भौतिकी एवं गणित के साथ पास होना जरूरी है। आईआईटी तथा विभिन्न राज्यों में स्थित इंजीनियरिंग कॉलेजों के एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग के बीई पाठ्यक्रम में विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए चयन प्रवेश परीक्षाओं में प्राप्त मेरिट के आधार पर किया जाता है। जिन संस्थानों में एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, वे सामान्यत: क्वॉलिफाइंग ग्रेड के रूप में जेईई स्कोर को मान्य करते हैं। भारत सरकार द्वारा अधमान्य एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की डिक्री चार वर्ष की पढ़ाई के बाद प्रदान की जाती है, जबकि डिप्लोमा पाठ्यक्रम तीन वर्ष की अवधि के होते हैं।

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स द्वारा आयोजित एसोसिएट मेंबरशिप एक्जामिनेशन के माध्यम से सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्रों के कर्मचारी अथवा एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग डिप्लोमाधारी उम्मीदवार दूरस्थ शिक्षा प्रणाली द्वारा बीई पाठ्यक्रम कर सकते हैं। एसोसिएट मेंबरशिप एक्जामिनेशन की परीक्षा द एयरोनॉटिकल सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा ली जाती है। यह डिग्री एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग डिग्री के समकक्ष मान्यता रखती है। कुछ संस्थानों द्वारा एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में एमटेक और पीएचडी पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं।

ये स्किल्स भी जरूरी : एयरोनॉटिकल इंजीनियर बनने के लिए उम्मीदवार के पास व्यापक दृष्टिकोण होना नितांत आवश्यक है। उसके पास गणितीय शुद्धता और डिजाइन कौशल, कम्प्यूटर दक्षता और अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होनी चाहिए।

उम्मीदवार को योजना बनाने तथा दबाव में काम करने में भी निपुण होना चाहिए। उसे शारीरिक व मानसिक रूप से पूर्णत: फिट होना चाहिए।

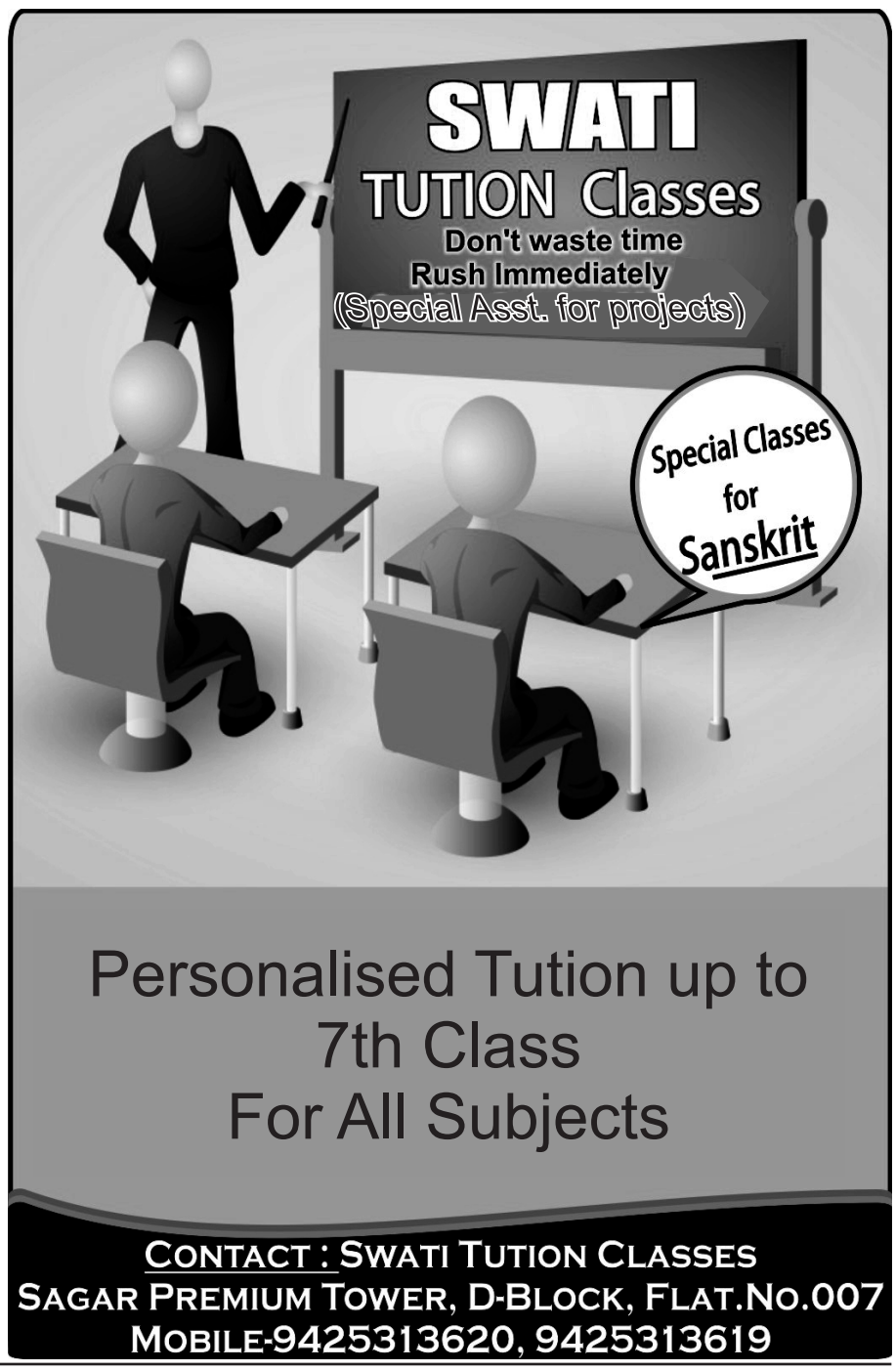

मां लक्ष्मी के पूजन से जीवन बनेगा वैभवशाली

धन और वैभव की कामना हर इंसान के मन में होती है और इसे पाने के लिए वो लगातार प्रयास भी करता है लेकिन हर किसी के जीवन में मां लक्ष्मी की कृपा नहीं होती. ज्योतिष के जानकारों की मानें तो मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए उनको प्रसन्न करना जरूरी है और ये भी कहा जाता है कि धन की ये देवी आसानी से प्रसन्न नहीं होती हैं.

आइए जानते हैं आखिर कैसे प्रसन्न होंगी मां लक्ष्मी और क्या है धन की देवी की महिमा।।।

मां लक्ष्मी की महिमा

– धन और संपत्ति की अधिष्ठात्री देवी हैं मां लक्ष्मी।

– मान्यता है कि समुद्र से हुआ था मां लक्ष्मी का जन्म और इन्होंने श्रीहरि से विवाह किया था।

– मां लक्ष्मी की पूजा से धन के साथ-साथ वैभव का वरदान भी मिलता है।

– अगर मां लक्ष्मी नाराज हो जाएं तो घोर दरिद्रता का सामना करना पड़ता है।

– ज्योतिष में शुक्र ग्रह से जोड़ा जाता है मां लक्ष्मी का संबंध।

– केवल मां लक्ष्मी की उपासना करने से धन मिलता है।

– गणेश जी के साथ इनकी पूजा करने से धन और बुद्धि मिलती है।

– श्रीहरि विष्णु के साथ इनकी पूजा करने से सम्पूर्ण सम्पन्नता मिलती है।

लक्ष्मी पूजन के लाभ?

धन की देवी हैं मां लक्ष्मी लेकिन इनकी उपासना से केवल धन ही नहीं मिलता। आइए जानते हैं कि मां लक्ष्मी की उपासना के क्या-क्या लाभ होते हैं...

– इनकी पूजा से केवल धन ही नहीं बल्कि नाम और यश भी मिलता है।

– इनकी उपासना से दाम्पत्य जीवन भी बेहतर होता है।

– धन की समस्या कितनी भी बड़ी हो, लेकिन अगर लक्ष्मी जी की विधिवत उपासना की जाय तो धन जरूर मिलता है।

पूजा के नियम और सावधानियां

कहते हैं कि जिस इंसान पर देवी की कृपा हो उसे जीवन में किसी भी चीज की कमी नहीं होने पाती है लेकिन देवी को प्रसन्न करने के लिए इनकी उपासना के नियम और सावधानियों के बारे में जानना बेहद जरूरी है।

– मां लक्ष्मी की पूजा सफेद या गुलाबी कपड़े पहनकर ही करनी चाहिए।

– इनकी पूजा का उत्तम समय होता है गोधूलि वेला या आधी रात।

– मां लक्ष्मी के उस प्रतिकृति की पूजा करनी चाहिए जिसमें वह गुलाबी कमल के पुष्प पर बैठी हों।

– साथ ही ये भी ध्यान रखें कि प्रतिमा के हाथों से धन बरसता हुआ दिख रहा हो।

– मां लक्ष्मी को गुलाबी फूल खासतौर पर कमल चढ़ाना सबसे उत्तम होता है।

– मां लक्ष्मी के मन्त्रों का जाप स्फटिक की माला से करने पर मंत्र तुरंत प्रभावशाली होता है।

कारोबार में लाभ पाने के लिए

– कारोबार वाले स्थान पर लक्ष्मी, गणेश और श्रीहरि विष्णु की स्थापना करें।

– लक्ष्मी जी के दाईं ओर श्रीहरि और बाईं ओर गणपति को स्थापित करें।

–रोज सुबह काम शुरू करने के पहले उनको एक गुलाब का फूल चढ़ाएं।

– उनके सामने घी का दीपक और गुलाब की सुगंध वाली धूप जलाएं।

नौकरी में धन पाने के लिए

– पूजा के स्थान पर कमल के फूल पर बैठी हुई लक्ष्मी जी के चित्र की स्थापना करें।

– चित्र में अगर दोनों तरफ से हाथी सूंढ़ में भरकर जल गिरा रहे हों तो और भी उत्तम होगा।

– इस चित्र के सामने शाम को घी का दीपक जलाएं और मां लक्ष्मी को इत्र अर्पित करें।

– रोज शाम पूजा के समापन के बाद तीन बार शंख जरूर बजाएं।

जीवनभर बनी रहेगी मां लक्ष्मी की कृपा

ज्योतिष के जानकारों की मानें तो कुछ सरल उपायों से मां लक्ष्मी की कृपा जीवनभर पाई जा सकती है।

– घर में पूरी तरह से साफ-सफाई रखें।

– घर में जो चीजें प्रयोग न करते हों, उन्हें हटा दें।

– पूजा के स्थान पर एक सफेद रंग का शंख जरूर रखें।

– हर पूर्णिमा को खीर बनाएं और मां लक्ष्मी को अर्पित करें।

– इस खीर का प्रसाद जरूर ग्रहण करें।

– महिलाओं का सम्मान करें।

दिवाली विशेष यूं लगाएं रोशनी, घर में आएगी लक्ष्मी

दीपावली रोशनी का त्योहार है। रोशनी या उजाला हमारे अन्तर मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव डालता है। हमारे घर के विभिन्न वास्तु जोन में पड़ी हुई निष्क्रिय ऊर्जाओं को सक्रिय कर उनकी शक्तियों को जगाती है। यदि आप अपने घर या फ्लैट के सही जोन में उपयुक्त प्रकार की रोशनियां लगाकर सजाते हैं तो इसके बहुत अच्छे अपेक्षित परिणाम प्राप्त होंगे।

उत्तर दिशा में नीली रोशनी: यदि आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में कोई स्पष्टता नजर नहीं आ रही है एवं आप अपने जीवन को वृहद दृष्टिकोण से नहीं देख पा रहे हैं चहुंओर दिशा विहीन-सा महसूस कर रहे हैं तो आप उत्तर पूर्वी जोन में नीले रंग की लाइट लगाएं। उत्तर पूर्वी जोन मस्तिष्क स्पष्टता एवं बुद्धिमता का जोन है।

पूर्व में हरा रंग शुभ: यह आपका समाज एवं संप्रदाय से जुड़ाव को सुनिश्चित करेंगी। आपको अपनी समस्याओं का समाधान भी नजर आने लगेगा। दीपावली पर मिले उपहार भी इस दिशामें रखे।

दक्षिण में लाल लाइट: यदि आप ऐसा महसूस करते हैं कि जिस स्तर का आप परिश्रम एवं मेहनत करते हैं उसके अनुरूप आपको पहचान नहीं मिल पाती एवं लोग आपके द्वारा सम्पादित कार्यों एवं आपके प्रोडक्ट्स की सराहना नहीं करते हैं। ऐसी परिस्थिति होने पर आप अपने घर के दक्षिण जोन में लाल रंग की रोशनी करें। यदि आप लाल बल्ब की रोशनी अपने घर के दक्षिण पूर्वी जोन में करते हैं तो इससे रुका हुआ धन मिल जाएगा।

पश्चिम में सफेद रंग: घर के पश्चिमी जोन में सफेद रंग की लाइट या सीएफएल लगाने से आश्चर्यजनक लाभ में बढोतरी होगी। उपरोक्त दिए गए नियमों के अनुरूप सजावट कर रोशनी करने से आपके द्वारा की गई मेहनत का पूरा प्रतिफल आपको प्राप्त होगा एवं आपको संतुष्टि भी प्राप्त होगी जो कि अति महत्वपूर्ण है।

फिल्म समीक्षा : एम.एस. धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी

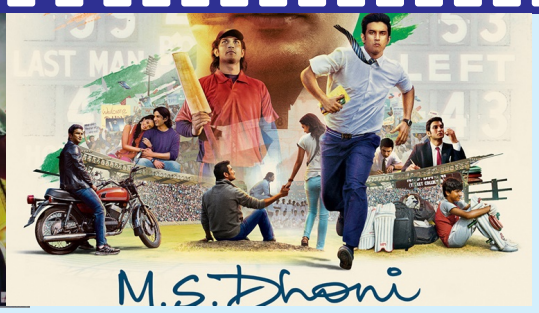

देश-विदेश में करीब 5500 स्क्रीन्स पर एकसाथ रिलीज हुई इस फिल्म को बेशक पाकिस्तान में बैन कर दिया गया हो, लेकिन पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को मिली औसत से कहीं च्यादा की ओपनिंग कलेक्शन के आंकड़ों को देखें तो 3 घंटे से ज्यादा अवधि की इस फिल्म का दर्शकों में अच्छा-खासा क्रेज नजर आ रहा है। बॉक्स ऑफिस पर इससे पहले 'वेडनसडे' 'स्पेशल 26' सहित कई हिट दे चुके डायरेक्टर नीरज पांडे ने इस बार करीब 100 करोड़ के भारी भरकम बजट में इस फिल्म को हिंदी के साथ मराठी, तमिल और तेलुगू में भी बनाया है। डायरेक्टर नीरज पांडे ने अपनी इस मेगा बजट फिल्म में लीड किरदार के लिए जब सुशांत सिंह राजपूत का नाम चुना तो उनके इस फैसले से प्रॉडक्शन कंपनी के लोग भी पूरी तरह से सहमत नहीं थे। नीरज ने सुशांत का सिलेक्शन करने से पहले उनकी कोई फिल्म तक नहीं देखी थी। सुशांत की कुछ तस्वीरें देखने के बाद उनका सिलेक्शन हुआ। सुशांत ने धोनी का किरदार निभाने के लिए पूरा होम वर्क किया। हर रोज घंटों पसीना बहाया, माही के क्रिकेट खेलने के स्टाइल को सीखा। यही वजह है कि स्टार्ट टु लास्ट पूरी फिल्म में सुशांत सिंह छाए हुए हैं।

साथी किरदारों में राजेश शर्मा और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकारों ने अच्छा काम किया है और अहसास दिलाया है कि जीवन में आपके साथ के लोग किन वजहों से अहम होते हैं। ऐसा ही अहसास माही के मित्र बने कलाकारों को देख होता है। खासतौर से संतोष और परम के किरदार। संतोष ने ही माही को हैलीकॉप्टर शॉट लगाना सिखाया था, जिसे असल में थप्पड़ शॉट कहा जाता है। इस शॉट को सिखाने की कीमत केवल एक समोसा थी। और परम, उसने तो माही की स्पॉन्सरशिप के लिए उस समय रांची से जालंधर तक जूते घिसे थे, जब वह स्टेट लेवल ही खेल रहा था। दरअसल ये माही ही नहीं उसके आसपास के लोगों की भी कहानी है, जो दिखाती है कि अपनों का साथ कितना जरूरी है।

अनुपम खेर ने एकबार फिर साबित किया कि वह हर रोल को अपनी बेहतरीन ऐक्टिंग के दम पर जीवंत बना देते है। अन्य कलाकारों में प्रियंका के रोल में दिशा पटानी और धोनी की प्रेमिका और पत्नी के किरदार में कियारा आडवाणी जमी हैं। धोनी की बहन के रोल भूमिका चावला ने अपने किरदार के साथ न्याय किया है। नीरज की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने पूरी ईमानदारी के साथ एक ऐसी साफ सुथरी बायॉपिक बनाई है, जिसे आप पूरी फैमिली के साथ थिअटर में बेहिचक देखने जा सकते हैं। नीरज ने धोनी की लाइफ के कुछ ऐसे अनछुए पहलूओं को भी विस्तार से दिखाया है, जिनके बारे में उनके फैन्स ज्यादा नहीं जानते। फिल्म में माही की लाइफ के रोमांटिक पलों को कम शूट करते तो फिल्म की लंबाई को आसानी से 30 मिनट तक कम किया जा सकता था, फिर भी रीयल लोकेशन पर शूट करने और पूरा होमवर्क के बाद फिल्म शुरू करने के लिए नीरज की तारीफ करनी होगी। उन्होंने फिल्म के लीड किरदार धोनी के अलावा दूसरे सभी कलाकारों को भी जरूरी फुटेज दी। यही वजह है कि कई जगह आंखे नम भी पड़ जाती हैं। खासतौर से प्रियंका वाले प्रसंग, कोलकाता हवाई अड्डे वाला सीन, 2011 वर्ल्ड कप फाइनल वाले सीन, माही की सफलता पर उसके दोस्त चंटू का मिठाई बांटने वाला सीन, बैनर्जी का इमोशनल सीन आदि। फिल्म के कमजोर पहलू की बात करे तो बेशक इसकी लंबाई हॉल में कई बार आपके सब्र का इम्तिहान लेगी। सब जानते हैं कि धौनी और साक्षी की मुलाकात कैसे हुई, इसलिए इस प्रसंग को बहुत ज्यादा नहीं खींचा जाना चाहिए था। फिल्म में धौनी के परिवार के सभी लोगों को बताया गया हैं। लेकिन डायरेक्टर धौनी के भाई को इस फिल्म में लाना ही भूल गए।

उनके भाई नरेंद्र धौनी रांची में पॉलिटिशयन है और समाजवादी पार्टी से जुड़े हुए है। धौनी की बॉयोपिक में उनकी बहन के बारे में तो बताया गया है लेकिन उनके भाई का दूर-दूर तक फिल्म में कोई जिक्र नहीं है। शायद दिलचस्पी क्रिकेट और उसे जुड़ी कॉन्ट्रोवर्सी को देखने में हो सकती थी, जिसे साफ तौर पर नीरज बचा ले गए हैं। उन्होंने युवराज सिंह वाले प्रसंग को तो असानी से बयां कर दिया, लेकिन धौनी के कप्तान बनने के बाद किस तरह से गांगुली, द्रविड़ और सचिन को लेकर बोर्ड ने फैसले लिए, इससे नीरज कन्नी काट गए। एक बात और कि फिल्म को 2011 तक ही सीमित रखा गया है। बाद के वर्षों में धौनी की जिंदगी में और बड़ी घटनाएं हुई हैं। खासतौर से टी-20 को लेकर कई तरह के विवाद भी सामने आए। अगर नीरज ने खुद को सेफ जोन में रख कर ये फिल्म बनाई है तो ठीक है। वर्ना इसमें कहने के लिए और भी बहुत कुछ हो सकता था। अगर ऐसा होता तो ये 3 घंटे वाली फिल्म खिंची हुई नहीं लगती।

फिल्म का मजबूत पक्ष है की यह रांची के उस लड़के के सफर की दास्तां है, जो क्रिकेट खेलने की अपनी ललक और मां-बाप की तमन्नाओं के बीच जद्दोजहद में फंसा रहा और आखिरकार अपने दिल की बात सुनकर मंजिल की ओर निकल जाता है । माही भारतीय टीम के सबसे सफल कप्तान हैं और उनकी फैन फॉलोइंग जबरदस्त है उनकी कहानी हर उभरते खिलाड़ी और युवा के लिए प्रेरणा का स्रोत है अगर आप दुनिया के महान क्रिकेट कप्तान एम. एस. धोनी के फैन हैं तो अपने चहेते हीरो की इस फिल्म को मिस ना करें। सुशांत सिंह राजपूत की बेहतरीन ऐक्टिंग, उम्दा कैमरावर्क और लोकेशन इस फिल्म को देखने की एक और वजह हो सकती है। कुल मिलाकर नीरज पांडेय का यह 'हेलीकॉप्टर शॉर्ट' छक्का लगाने वाला तो नजर आता है। मै इस शानदार फिल्म को 5 में से 3.5 स्टार देता हूँ।

★★★★ *अजय सिसोदिया*

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स एम.पी. नगर, जोन-1 से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)